>

Title: Issue regarding more fund allocation and measures taken to contol flood in Assam.

श्रीमती क्वीन ओझा (गौहाटी) : अध्यक्ष महोदय, इसीलिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं । गुवाहाटी के सभी लोगों ने कहा कि आपको इतना बोलने का मौका मिल रहा है, इसलिए सभी लोग खुश हैं और गुवाहाटी के सभी लोगों ने आपको धन्यवाद दिया है ।

महोदय, आज मैं एक संवदेनशील और महत्वपूर्ण विषय पर बोलने जा रही हूं । आज असम में बाढ़ की स्थिति के विषय पर बोलना चाहती हूं । आज सारा असम बाढ़ में डूबा हुआ है । असम में हुए हैवी रेनफॉल और भूटान और अरुणाचल प्रदेश से जो पानी आ रहा है, उससे बाढ़ की स्थिति बहुत चिंताजनक बनी हुई है । इस बाढ़ में 5 हजार 170 गांव, 32 जिले और 56 लाख लोगों को बेघर होना पड़ा । इसके साथ ही 19 लोगों को अपने प्राण गंवाने पड़े । उनको मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं ।

महोदय, दु:ख की बात यह है कि इस विपत्ति के समय में भी कांग्रेस के सांसद डर्टी पोलिटिक्स कर रहे हैं । कांग्रेस के समय में आई बाढ़ में 826 लोगों की मृत्यु हुई थी, उस समय कांग्रेस की सरकार ने कोई भी व्यवस्था करने की जिम्मेदारी नहीं ली थी । इसलिए सरकार विफल भी हुई थी । लेकिन, हमारे माननीय मुख्य मंत्री सर्बानंद सोनोवाल जी को मैं धन्यवाद देती हूं ।

19.00 hrs

उन्होंने भी माननीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी को वहां की परिस्थिति का सम्पूर्ण जायजा लेने के लिए भेजा था । उन्होंने अपने सभी आफिसर्स के साथ मीटिंग की और राहत के लिए भी बंदोबस्त किया । एक बात और है, वहां कांजीरंगा नेशनल सेंचुरी का 90 प्रतिशत भाग पानी में डूब जाता है, उसके लिए हमारी सरकार ने इस बार 33 हाई लेन बनाई है । इसमें सभी पशुओं को सुरक्षित रखने का प्रबंध किया गया है । मैं इसके लिए भी सरकार को धन्यवाद देती हूं । बाढ़ से प्रभावित जो लोग हैं, मैं आपसे उनके लिए अधिक धनराशि का आंवटन करने का आग्रह करती हूं ।

माननीय अध्यक्ष : श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती क्वीन ओझा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

DR. RAJDEEP ROY (SILCHAR): Thank you, Mr. Speaker, Sir. I would like to speak on the situation prevailing in the North East, specially Assam, which is affected by flood. It is all coming in the national news. Assam, as we all know, is a State of two rivers, Barak River and Brahmaputra River which is the mighty Brahmaputra and also there are a lot of hills and valleys. Today the situation is that almost 5200 villages have inundated; 30 out of 33 districts are affected and 60 lakh people are affected including 19 lives lost.

I must mention that we have heard a little bit of discussion from the Opposition Benches yesterday saying what our State Government and other Governments are doing. I would like to remind them that during the 15 years of their rule, in the first 10 years only, almost 800 plus deaths took place and there was no relief for those families from their Party. It must be mentioned here that within 48 hours, our hon. Prime

Minister and our hon. Home Minister, both of them, had sanctioned Rs. 251.55 crore for immediate relief measures.

I must mention that 1.73 lakh hectare of cultivable land has been lost and the State Government has opened up 1122 relief camps in past five to six days. They are taking care of food, medicine and even baby food. People who have maternity problems, they are also being taken care of.

I would like to bring to your notice that in 2017, under the Chairmanship of Vice-Chairman of NITI Aayog, there has been a committee which has been formed called the North East Water Management Authority. I would like to urge upon you to request the appropriate Ministers to take cognisance of this Authority and implement the report given by this Authority.

Thank you, Sir.